आधुनिक कविता

1. कुटिया में राजभवन

I. एक शब्द या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. सीताजी का मन कहाँ भाया?
2. सीताजी के प्राणेश कौन थे?
3. सीताजी कुटिया को क्या समझती है?
4. नवीन फल नित्य कहाँ मिला करते हैं?
5. सीताजी की गृहस्थी कहाँ जगी?
6. वधू बनकर कौन आयी है?
7. सीता की सखियाँ कौन हैं?
8. कुटिया में सचिव कौन थे?
9. कुटिया में आकर सभी को कौन आशीष देते हैं?
10. तट पर आकर कौन पानी पीते हैं?
11. किसलय-कर किस हेतु हिला करते हैं।
12. प्रकृति निधि खोले क्या दिखा रही है?
13. सीताजी के लिए क्या क्रीडा सामाग्री बन गई है?
14. 'कुटिया में राजभवन' कविता के कवि कौन हैं?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. सीताजी अपनी कुटिया में कैसे परिश्रम करती थी?
2. सीताजी प्रकृति सौंदर्य के बारे में क्या कहती है?
3. सीताजी कुटिया में कैसे सुखी है?
4. 'कुटिया में राजभवन' कविता का आशय संक्षेप में लिखिए।
5. कुटिया में रहते हुए सीताजी राजसुख के बारे में क्या सोचती हैं ?
6. सीता जी अपने भाग्य के बारे में क्या कहती हैं?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

कविता के सभी काव्यांशों का ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण के लिए चयन किया जा सकता है।

◆ ◆ ◆ ◆

2. तोड़ती पत्थर

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

I. एक वाक्य या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. नारी कहाँ पत्थर तोड़ती थी?
2. पत्थर तोड़ती नारी के तन का रंग कैसा था?
3. नारी बार-बार क्या करती थी?
4. नारी कब पत्थर तोड़ रही थी?
5. नारी के माथे से क्या टपक रहा था?
6. 'तोड़ती पत्थर' कविता के कवि कौन हैं?
7. सड़क पर झुलसाती हुई क्या चल रही थी?
8. नारी ने किसकी ओर देखा?
9. एक क्षण के बाद कौन काँप उठी?
10. नारी के हाथ में क्या था?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. इलाहाबाद के पथ पर पत्थर तोड़नेवाली स्त्री का चित्रण कीजिए ।
2. किन परिस्थितियों में नारी पत्थर तोड़ रही थी?
3. 'तोड़ती पत्थर' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
4. पत्थर तोड़नेवाली असहाय नारी के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हुए कवि क्या कहते हैं ?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

इस प्रश्न के अंतर्गत सभी पद्यांशों का चयन संभव है ।

◆ ◆ ◆ ◆

3. उल्लास

सुभद्राकुमारी चौहान

I. एक वाक्य या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. कवयित्री ने शैशव प्रभात में क्या देखा?
2. कवि ने यौवन के नशे में क्या देखा?
3. कवयित्री ने किसका विकास देखा?
4. कवयित्री ने किसका प्रकाश देखा?
5. कवयित्री को किसने कभी नहीं रुलाया?
6. कवयित्री ने हमेशा किस प्रकार का व्यवहार किया?
7. कवयित्री को प्रेम का क्या दिखाई देता है?
8. कवयित्री के मन में कौन-सी विरक्ति नहीं आती थी?
9. कवयित्री का जीवन क्या लुटा रहा है?
10. कवयित्री ने जीवन में रोता हुआ क्या नहीं देखा है?
11. कवयित्री की आँखों से किसके आँसू गिरते हैं?
12. 'उल्लास' कविता की कवयित्री कौन हैं?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. 'उल्लास' कविता के आधार पर मानव हृदय में उठनेवाले भावों को अपने शब्दों में लिखिए ।
2. कवयित्री ने जीवन के संबंध में क्या कहा है?
3. 'उल्लास' कविता का आशय संक्षेप में लिखिए ।
4. कवयित्री के जीवन में प्रेम व्यवहार का महत्व कैसे प्रकट किया है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण के लिए सभी काव्यांशों का चयन संभव है।

◆ ◆ ◆ ◆

4. तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाए

–डॉ. हरिवंशराय बच्चन

I. एक वाक्य या वाक्यांश में उत्तर लिखिए ।

1. बच्चनजी ने किस प्रकार के गीत बनाए?
2. कवि बच्चन जी ने क्या लुटाया ?
3. कवि बच्चनजी क्या खोकर रंक हुए ?
4. बच्चन के अनुसार दुनिया कैसी है?
5. कवि बच्चन जी का जीवन कैसे बीता?
6. सुख की एक साँस पर क्या निछावर है ?
7. कवि बच्चन जी क्या गाकर अमर करने की बात कहते हैं ?
8. कवि बच्चनजी किसके कंठों से दर्द की आवाज़ सुनते हैं ?
9. इस दुनिया में कौन अनचाहा रह गया?
10. 'तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाए ।' कविता के कवि कौन हैं?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. बच्चनजी ने जग में क्या लुटाया और क्यों?
2. बच्चनजी पाठकों को क्या-क्या भेंट देते हैं ?
3. बच्चनजी ने संसार और जीवन के बारे में क्या कहा है?
4. बच्चनजी की कविता का मूलभाव लिखिए ।
5. बच्चनजी जीवन की अंतिम घड़ियों में भी क्या कहते हैं ?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण के लिए सभी पद्यांशों का पठन आवश्यक है ।

◆ ◆ ◆ ◆

5. प्रतिभा का मूल बिन्दु

–डॉ. प्रभाकर माचवे

I. एक वाक्य या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. कवि प्रतिभा से क्या पूछते हैं ?
2. कवि ने दिवास्वप्न की रानी किसे कहा है?
3. शिल्पी ने किसकी ओर संकेत किया है?
4. गायिका क्या कह गयी?
5. प्रतिभा कहाँ बसती है?
6. 'प्रतिभा का मूल बिन्दु' कविता के कवि का नाम लिखिए।
7. चित्रकार ने किसको समेट लिया है ?
8. प्रतिभा का मूल क्या सहने की ताकत में है?
9. क्या जानने के लिए हम सब प्यासे हैं ?
10. कौन असिधारा व्रत में बसती है?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. कवि प्रतिभा का मूल कहाँ-कहाँ ढूँढते हैं ?
2. कवि माचवे जी के अनुसार प्रतिभा के लक्षण लिखिए ।
3. 'प्रतिभा का मूल बिन्दु' कविता के भाव संक्षेप में लिखिए।
4. प्रतिभा पाने के लिए पाठकों को कवि कौन-सा संदेश देते हैं ?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

''प्रतिभा बोली– 'यातना,
निरन्तर कष्ट-सहन की ताकत में
मैं बसती हूँ संघर्ष-निरत
साधक में, असिधारा-व्रत में।''

◆ ◆ ◆ ◆

6. तुम आओ मन के मुग्ध मीत

डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति

I. एक शब्द या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. कवि अपने मित्र से क्या कहता है?
2. कवि अपने मित्र का स्वागत कैसे करता है?
3. कवि किससे बिछुड़ कर रह गया है?
4. 'तुम आओ मन के मुग्ध मीत' कविता के कवि कौन है?
5. कवि के जीवन में कल्याण राग के आगमन से क्या झन झना उठता है?
6. कवि अपने मित्र को एकमात्र क्या संबोधित करते हैं ?
7. कवि आँधी में सुनवाने के लिए कौन-सा गीत मानते हैं ?
8. कवि मित्र को देवलोक का कौन सा गीत मानते हैं ?
9. कवि जन्मों के जीवन-मृत्यु मीत किसे मानते हैं?
10. कवि हारों की मधुर जीत किसे मानते हैं ?
11. कवि गुण-परीत किसे कहते हैं ?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. अपने मुग्ध मीत से बिछुड़कर कवि की आत्मा कैसे तड़प रही है ?
2. कवि अपने मित्र को किन-किन शब्दों से पुकारता है?
3. कवि अपने मित्र की जुदाई से कैसे व्याकुल हो रहा है?
4. कवि की दुःखी आत्मा का परिचय दीजिए ।
5. कवि का मन अपने 'मुग्ध मीत' के लिए कैसे झंकृत हो रहा है ?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

1. ''जन्मों के जीवन मृत्यु मीत ! मेरी हारों की मधुर जीत ।
   झुक रहा तुम्हारे स्वागत में मन का मन शिर का शिर विनीत ।''
2. ''झन झनन झनन झंझा झकोर-से झंकृत यह जीवन निशीथ
   सब क्षणिक, वणिक वत् स्वार्थ मग्न तुम एक मात्र निस्वार्थ मीत ।''
3. ''दुख दैन्य अश्रु दारिद्रय धार-कर गए मुझे ही मनो-नीत
   तूफान और इस आँधी में सुनवाने रज का जीव गीत ।''

◆ ◆ ◆ ◆

7. मत घबराना

–डॉ. रामनिवास 'मानव'

I. एक शब्द या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. कवि किस प्रकार आगे बढ़ने के लिए कहते हैं ?
2. कवि किसके साथ होने की बात कहते हैं ?
3. कवि किसे अपनी व्यथा सुनाने के लिए कहते हैं ?
4. पथ पर बार–बार क्या टकराती है?
5. कवि बीच राह में कैसे न रुकने को कहते हैं ?
6. वीर काँटों को क्या समझता है?
7. वीर किससे हाथ मिलाता है?
8. वीराने में क्या बहती रहती हैं ?
9. कवि जीवन–पथ पर क्या बढ़ाने के लिए कहते हैं ?
10. रास्ता कौन रोक लेती हैं ?
11. धीर–वीरता से जो बढ़ता है उसे क्या मिलता है?
12. कवि ने किसे कायर कहा है?
13. वीर कभी क्या नहीं करते ?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. 'मत घबराना' कविता में प्रकृति को प्रेरणा स्रोत क्यों कहा गया है?
2. कवि ने जीवन की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
3. मंज़िल किन्हें मिलती है? अपने शब्दों में लिखिए ।
4. 'मत घबराना' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए ।
5. कवि 'मानव' ने नवयुवकों को किन बातों से न घबराने की सलाह दी है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण के लिए सभी काव्यांशों का चयन संभव है।

◆ ◆ ◆ ◆

8. अभिनंदनीय नारी

जयन्ती प्रसाद नोटियाल

I. एक शब्द या वाक्यांश या एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. नारी किसके समान सहनशील होती है?
2. नारी बचपन में किसके मन में हिलोरें उठाती है?
3. नारी ने इस धरती को धन्य कैसे किया?
4. स्वार्थी संसार क्या याद नहीं रखता है?
5. नारी अबला नहीं बल्कि क्या है?
6. जिस घर में नारी का सम्मान हो, वहाँ क्या होता है ?
7. नारी पृथ्वी पर किसका सार है?
8. कवि नारी को किन शब्दों में सम्मानित करके नमन करते हैं ?
9. नारी किसके समान निर्मल है?
10. नारी बाबुल के आंगन में किस पौधे के समान है?
11. नारी ने दुर्गा माँ का कौन-सा रूप अपनाया है?
12. नारी सृष्टि का क्या है?
13. जीवन में अगर नारी न हो तो क्या बेकार है?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. नारी के विभिन्न गुणों का परिचय दीजिए ।
2. नारी के बचपन का चित्रण कीजिए ।
3. नारी के शक्ति रूपों का वर्णन कीजिए ।
4. नारी किस प्रकार से सृष्टि का शृंगार है?
5. नारी को कौन सी बातों का प्रतिदान इस संसार से नहीं मिला है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण कीजिए ।

ससंदर्भ भाव स्पष्टीकरण के अंतर्गत सभी काव्यांशों का चयन संभव है ।

◆ ◆ ◆ ◆